Under CSR Support by ipca Foundation missiongyan

अध्याय – 02 | यूरोप में समाजवाद एवं रूसी क्रांति

QUIZ-05

1. **कॉमिन्टर्न (Comintern) क्या था?**
A. रूस की संसद B. रूसी सेना का संघ
C. बोल्शेविक समर्थक समाजवादी पार्टियों का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ
D. गैर-बोल्शेविकों का संगठन (C)
व्याख्या : कॉमिन्टर्न बोल्शेविक समर्थक समाजवादी पार्टियों का अंतर्राष्ट्रीय महासंघ था, जो सोवियत संघ के प्रभाव को बढ़ाने के लिए बनाया गया था।

2. **इंग्लैंड में किस कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना की गई थी?**
A. कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन
B. ब्रिटिश सोशलिस्ट पार्टी
C. इंग्लिश वर्कर्स पार्टी
D. लेबर पार्टी (A)
व्याख्या : रूसी क्रांति से प्रेरित होकर इंग्लैंड में "कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन" की स्थापना की गई।

3. **भारत में कम्युनिस्ट पार्टी का गठन किस दशक में किया गया?**
A. 1910 का दशक B. 1920 का दशक
C. 1930 का दशक D. 1940 का दशक (B)
व्याख्या : भारत में 1920 के दशक में कम्युनिस्ट पार्टी का गठन किया गया।

4. **"लेनिन, हिज़ लाइफ एंड हिज़ थॉट्स" पुस्तक किसने लिखी थी?**
A. जवाहरलाल नेहरू B. आर.एस. अवस्थी
C. एस.डी. विद्यालंकार D. रविन्द्रनाथ टैगोर (B)
व्याख्या : 1920-21 में आर.एस. अवस्थी ने "लेनिन, हिज़ लाइफ एंड हिज़ थॉट्स" तथा "द रेड रिवोल्यूशन" जैसी पुस्तकें लिखीं।

5. **"द सोवियत स्टेट ऑफ रशिया" पुस्तक के लेखक कौन थे?**
A. जवाहरलाल नेहरू B. एस.डी. विद्यालंकार
C. गोपीनाथ शमन D. आर.एस. अवस्थी (B)
व्याख्या : "द सोवियत स्टेट ऑफ रशिया" पुस्तक एस.डी. विद्यालंकार ने लिखी थी।

6. **1920 में आयोजित "कांफ्रेंस ऑफ द पीपुल ऑफ द ईस्ट" का उद्देश्य क्या था?**
A. यूरोप में समाजवाद का विरोध करना
B. उपनिवेशों की जनता को स्वतंत्रता संग्राम के लिए प्रेरित करना
C. राजशाही का समर्थन करना
D. पूँजीवादी व्यवस्था को मजबूत करना (B)
व्याख्या : इस सम्मेलन का उद्देश्य उपनिवेशों की जनता को स्वतंत्रता संग्राम और समाजवाद के रास्ते पर प्रेरित करना था।

7. **भारत से रूस गए प्रमुख व्यक्तियों में से कौन थे?**
A. महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक
B. जवाहरलाल नेहरू और रविन्द्रनाथ टैगोर
C. सुभाष चंद्र बोस और भगत सिंह
D. लाला लाजपत राय और गोपाल कृष्ण गोखले (B)
व्याख्या : रूस गए भारतीयों में जवाहरलाल नेहरू और रविन्द्रनाथ टैगोर भी शामिल थे।

8. **द्वितीय विश्व युद्ध तक समाजवाद को किस रूप में पहचान मिल चुकी थी?**
A. स्थानीय विचारधारा B. साम्राज्यवादी नीति
C. वैश्विक पहचान
D. धार्मिक विचारधारा (C)
व्याख्या : द्वितीय विश्व युद्ध तक सोवियत संघ की नीतियों से समाजवाद को वैश्विक पहचान मिल चुकी थी।

9. **सोवियत संघ की शासन शैली के बारे में 1950 के दशक तक लोगों की क्या राय बनी?**
A. यह पूरी तरह लोकतांत्रिक है
B. यह रूसी क्रांति के आदर्शों के अनुरूप नहीं है
C. इसमें पूर्ण स्वतंत्रता है
D. यह साम्राज्यवाद का रूप है (B)
व्याख्या : 1950 के दशक तक लोग यह मानने लगे थे कि सोवियत संघ की शासन शैली रूसी क्रांति के आदर्शों के अनुरुप नहीं है।

10. **इंडो-सोवियत जर्नल के विशेषांक में भारतीय कम्युनिस्टों की क्या भूमिका बताई गई है?**
A. सोवियत संघ के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करना
B. द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोवियत संघ के लिए निर्मित योगदान करना
C. ब्रिटिश साम्राज्य का समर्थन करना
D. जापान के साथ गठबंधन करना (B)
व्याख्या : इंडो-सोवियत जर्नल के विशेषांक में बताया गया है कि भारतीय कम्युनिस्टों ने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान सोवियत संघ के लिए महत्वपूर्ण निर्माण कार्य किए।

मिशन ज्ञान — जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें! 100% FREE! Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES Download Mission Gyan App